



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 571]
No. 571]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 7, 2005/ज्येष्ठ 17, 1927
NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 7, 2005/JYAISTHA 17, 1927

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 7 जून, 2005

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और
शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) (संशोधन) विनियम, 2005

का.आ. 779 (अ).— बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :-

- इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) (संशोधन) विनियम, 2005 कहा जा सकेगा ।
- वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
- भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002 में -
 - विनियम 4 में शब्द "इन विनियमों के अधीन आदेश पारित करने के प्रयोजन के लिए जांच -" शब्दों "इन विनियमों के अधीन आदेश पारित करने के प्रयोजन के लिए जांच निम्नलिखित विनियमों, समय-समय पर यथा संशोधित, के उपबंधों में से किसी के उल्लंघन के लिए की जा सकेगी -" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे, और खंड (घ) के पश्चात् दिए हुए शब्दों "के उपबंधों में से किसी के उल्लंघन के लिए की जा सकेगी।" का लोप हो जायेगा । ;
 - विनियम 6 में, उप-विनियम (3) में -
 - खंड (i) में, शब्दों "आम तौर से" का लोप हो जायेगा ;
 - खंड (ii) के पश्चात्, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :
"परंतु यह कि जांच अधिकारी ऐसे पर्याप्त कारणों से जो लिखित में अभिलिखित किये जायेंगे खंड (i) के अधीन उल्लिखित समय को बढ़ा सकेगा । " ;

(iii) विनियम 8 में,

- (क) शब्दों "समर्थन में प्रस्तुत" के पश्चात् और शब्दों "और कथन भी करेगा" के पूर्व दिए हुए शब्द "करेगा" को शब्दों "कर सकेगा" से प्रतिस्थापित कर दिया जायेगा ;
- (ख) परंतुक में, शब्दों "पर्याप्त कारणों से" के पश्चात् और अल्पविराम के पूर्व, निम्नलिखित शब्द अंतःस्थापित किये जायेंगे, अर्थात् "जो लिखित में अभिलिखित किये जायेंगे" ;

(iv) विनियम 13 में,

- (क) उप-विनियम (2) में, शब्दों "कारण बताओ सूचना" के पश्चात् और शब्दों "जारी करेगा" के पूर्व, निम्नलिखित शब्द अंतःस्थापित किये जायेंगे, अर्थात् "उसके साथ जांच अधिकारी की रिपोर्ट की प्रति संलग्न करते हुए" ;
- (ख) उप-विनियम (3) में, शब्दों "को उत्तर भेजेगा" को शब्दों "को उत्तर भेज सकेगा" से प्रतिस्थापित कर दिया जायेगा ;
- (ग) उप-विनियम (4) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् :-
 "(4) अध्यक्ष अथवा सदस्य, यथास्थिति, कारण बताओ सूचना के उत्तर, यदि प्राप्त हुआ हो, पर विचार करने के पश्चात् ऐसा आदेश पारित करेगा जो वह ठीक समझे, यथासंभव शीघ्रता के साथ और ऐसा आदेश पारित करने के लिए उसके द्वारा प्रयास मध्यवर्ती के उत्तर की प्राप्ति की तारीख से एक सौ इक्कीस दिनों के भीतर किया जायेगा। " ;
- (घ) उप-विनियम (4) के पश्चात्, निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :
 "स्पष्टीकरण : इस उप-विनियम के प्रयोजनों के लिए, 'मध्यवर्ती के उत्तर की प्राप्ति की तारीख' के अंतर्गत वह तारीख आती है जिसको मध्यवर्ती अध्यक्ष अथवा सदस्य के समक्ष सुनवाई में मौखिक निवेदन करता है, यदि उसके द्वारा प्रदान की गयी हो। "
- (ङ) उप-विनियम (5) का लोप हो जायेगा ;

(v) विनियम 16 में,

- (क) उप-विनियम (2) में, शब्दों "आम तौर से" का लोप हो जायेगा ;
- (ख) उप-विनियम (2) के पश्चात्, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :
 "परंतु यह कि जाँच अधिकारी ऐसे पर्याप्त कारणों से जो लिखित में अभिलिखित किये जायेंगे उप-विनियम (2) के अधीन उल्लिखित समय को बढ़ा सकेगा। "

[फा. सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/41584/2005]

एम. दामोदरन्, अध्यक्ष

पाद टिप्पण :-

1. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002, मूल विनियम, का.आ. सं. 1045 (अ), 27.9.2002 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित हुए थे ।
2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002 तत्पश्चात् -
 - क. 27 नवंबर 2003 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) (संशोधन) विनियम, 2003 द्वारा, फा.सं. भाप्रविबो/विधि/डीओपी/22093/2003 द्वारा
 - ख. 30 दिसंबर 2003 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2003 द्वारा, फा.सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/24418/2003 द्वारा
 - ग. 13 जुलाई 2004 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) (संशोधन) विनियम, 2004 द्वारा, फा.सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/14982/2004 द्वारा
 - घ. 2 सितम्बर 2004 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2004 द्वारा, का.आ.सं. 997(अ) द्वारा
 - ङ. 31 दिसम्बर 2004 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) (तीसरा संशोधन) विनियम, 2004 द्वारा, का.आ.सं. 28(अ) द्वारा

संशोधित हुए थे ।

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA
NOTIFICATION**

Mumbai, the 7th June, 2005

Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) (Amendment) Regulations, 2005

S.O. 779(E).—In exercise of the powers conferred by section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following Regulations to further amend the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002; namely :-

1. These Regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) (Amendment) Regulations, 2005.

2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
3. In the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002 –
 - (i) in regulation 4, after the words “contravention of any of the provisions of” and before the hyphen, the following words shall be inserted, namely “the following regulations, as amended from time to time”;
 - (ii) in regulation 6, in sub-regulation (3) –
 - (a) in clause (i), the word “ordinarily” shall be omitted;
 - (b) after clause (ii), the following proviso shall be inserted, namely :
“Provided that the Enquiry Officer may extend the time mentioned under clause (i) for sufficient reasons to be recorded in writing.”;
 - (iii) in regulation 8 –
 - (a) the word “shall” occurring after the words “has been issued” and before the words “submit to the enquiry officer” shall be substituted with the word “may”;
 - (b) in the proviso, after the words “for sufficient reasons” and before the comma, the following words shall be inserted, namely “to be recorded in writing”;
 - (iv) in regulation 13 –
 - (a) in sub-regulation (2), after the words “show cause notice to the intermediary” and before the words “as to why action as it considers appropriate should not be taken”, the following words shall be inserted, namely “enclosing therewith a copy of the report of the enquiry officer”;
 - (b) in sub-regulation (3), the word “shall” occurring after the words “the intermediary” and before the words “within 15 days” shall be substituted with the word “may”;
 - (c) sub-regulation (4) shall be substituted with the following, namely:—
“(4) The Chairman or Member, as the case may be, shall after considering the reply to the show cause notice, if received, pass such order as he may deem fit, as expeditiously as possible and endeavour shall be made by him to pass such order within one hundred and twenty days from the date of receipt of reply of the intermediary.”;
 - (d) after sub-regulation (4), the following explanation shall be inserted, namely:
“Explanation: For the purposes of this sub-regulation, ‘the date of receipt of reply of the intermediary’ includes the date on which the intermediary makes oral submissions in a hearing before the Chairman or Member, if granted by him.”
 - (e) sub-regulation (5) shall be omitted;
 - (v) in regulation 16 –
 - (a) in sub-regulation (2), the word “ordinarily” shall be omitted;
 - (b) after sub-regulation (2), the following proviso shall be inserted, namely:

"Provided that the Enquiry Officer may extend the time mentioned under sub-regulation (2) for sufficient reasons to be recorded in writing."

[F. No. SEBI/LAD/DOP/41584/2005]

M. DAMODARAN, Chairman

Foot Notes :-

1. The Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002, the principal regulations, were notified in the Gazette of India on 27.9.2002 vide S.O. No. 1045(E).
2. The Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002 were subsequently amended –
 - a. On November 27, 2003 by the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) (Amendment) Regulations, 2003 vide F. No. SEBI/LAD/DOP/22093/2003).
 - b. On December 30, 2003 by the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) (Second Amendment) Regulations, 2003 vide F. No. SEBI/LAD/DOP/24418/2003.
 - c. On July 13, 2004 by the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) (Amendment) Regulations, 2004 vide F. No. SEBI/LAD/DOP/ 14982/2004.
 - d. On September 2, 2004 by the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) (Second Amendment) Regulations, 2004 vide S.O.No.997(E).
 - e. On December 31, 2004 by the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) (Third Amendment) Regulations, 2004 vide S.O.No.28(E).

1735-44-502